"प्रारंभिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों (शिक्षकों) की अध्यापन व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन"

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
उपाधि की आंशिक संपूर्ति
हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध
2004-05

मार्गदर्शक :
डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण
प्रवाचक, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता :
विनोद एस. निमगड़े
एम.एड. छात्र

2004:200-

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.) श्यामला हिल्स,
भोपाल (म.प्र.)

"प्रारंभिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों (शिक्षकों) की अध्यापन व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन"

D- 200

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
उपाधि की आंशिक संपूर्ति
हेतु प्रस्तुत

लघु शोध प्रबंध
2004-05

मार्गदर्शक
डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण
प्रवाचक, शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधकर्ता
विनोद एस. निमगड़े
एम.एड. छात्र

विद्यया ऽ मृतमश्नुते
एन.सी.ई.आर.टी.
NCERT

Regional Institute of Education
LIBRARY
Bhopal

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.) श्यामला हिल्स,
भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **श्री विनोद निमगड़े** क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.) भोपाल में एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) के नियमित छात्र है। इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध **"प्रारंभिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों (शिक्षकों) की अध्यापन व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन"** मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह शोधकार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) 2004–05 उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 5.4.05

मार्गदर्शक

डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण
प्रवाचक, शिक्षा विभाग,
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
(एन.सी.ई.आर.टी.),
भोपाल (म.प्र.)

प्राक्कथन

प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध **"प्रारंभिक विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों (शिक्षकों) की अध्यापन व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन"** की सम्पन्नता का सम्पूर्ण श्रेय श्रद्धेय डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण (प्रवाचक शिक्षा विभाग) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल को है। जिन्होंने निरंतर उचित परामर्श, पर्याप्त निर्देश तथा हमेशा प्रोत्साहन देकर शोध कार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया है। प्रस्तुत लघुशोध आपके द्वारा शोधकार्य में आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्यपूर्ण सहयोग का प्रतिफल है। जिन्होंने मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक, अभिभावक तथा मार्गदर्शक के रूप में पर्याप्त समय दिया है। अतः में इनका ऋणी हूँ।

मैं आदरणीय प्राध्यापक डॉ. एम. सेन गुप्ता, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल तथा डॉ. (श्रीमती) अविनाश ग्रेवाल, विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु सहृदय से आभारी हूँ।

मैं डॉ. एस.के. गुप्ता, डॉ. बी. रमेश बाबू, डॉ. के.के. खरे, डॉ. खेमराज शर्मा तथा प्रो. संजय पंडागले एवं उन समस्त गुरुजनों का हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने समय-समय पर उचित मार्गदर्शन करके मेरे इस शोधकार्य में सहयोग दिया।

मैं प्रारंभिक विद्यालय के शिक्षकों का आभारी हूँ। जिन्होंने प्रदत्तों के संकलन में अथक सहयोग दिया है।

मैं डॉ. (श्रीमती) सुनीती खरे का हृदय से कृतज्ञ हूँ। जिन्होंने समय-समय पर उचित मार्गदर्शन करके, मेरे इस शोधकार्य में सहयोग दिया।

मैं पुस्तकालय अध्यक्ष पी.के. त्रिपाठी एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों का हृदय से आभारी हूँ।

मेरे परम मित्रों प्राचार्य, कुन्दन ढ़ोक, प्रा. प्रमोद ढोके, अमोल, लक्ष्मण, संजय, चंद्रेश एवं रीता का मैं आभारी हूँ जिन्होंने समय-समय पर मुझे शोधकार्य के लिये सहयोग एवं प्रेम दिया।

मैं अपनी आदरणीय माताजी सौ. शशिकला तथा पिताजी श्रीधरराव निमगड़े तथा परिवार के शुभचिंतकों का जीवनपर्यन्त चिरऋणी रहूंगा, जिन्होंने मेरे अध्ययन में महत्वाकांक्षा की पूर्ति हेतु तन, मन, धन से सहयोग तथा आशीर्वाद दिया है।

भोपालः
दिनांक :

विनोद निमगड़े
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,
भोपाल (म.प्र.)

अनुक्रमणिका

पृष्ठ संख्या

मुख पृष्ठ
प्रमाण पत्र
प्राक्कथन

प्रथम अध्याय 1 – 20

शोध परिचय

- ❖ प्रस्तावना
- ❖ भारत में शैक्षिक आयोग
- ❖ राधाकृष्ण आयोग
- ❖ कोठारी कमीशन (शिक्षण आयोग)
- ❖ राष्ट्रीय शिक्षा नीति
- ❖ शिक्षक और अध्यापन व्यवसाय
- ❖ शिक्षक अभिवृत्ति
- ❖ समस्या कथन
- ❖ शोध कार्य में प्रयुक्त शब्दावली व अर्थ
- ❖ शोध के चर
- ❖ प्रस्तुत शोध अध्ययन की आवश्यकता
- ❖ समस्या का सीमांकन
- ❖ शोध के उद्देश्य
- ❖ शोध कार्य की परिकल्पनाएँ

द्वितीय अध्याय 21 – 30
संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन

तृतीय अध्याय 31 – 43

- ❖ भूमिका
- ❖ समस्या कथन
- ❖ शोधकार्य में प्रयुक्त शब्दावली का अर्थ
- ❖ न्यादर्श का चयन
- ❖ शोध के चर
- ❖ लघुशोध प्रबंध संबंधी उपकरण
- ❖ शोध उपकरणों का प्रशासन एवं फलांकन
- ❖ प्रस्तुत लघुशोध उपकरण के अंकन की विधि
- ❖ प्रदत्तों के संकलन में उत्पन्न कठिनाईयाँ
- ❖ प्रयुक्त सांख्यिकी प्रविधियाँ

चतुर्थ अध्याय 44 - 58
प्रदत्त विश्लेषण, परिणाम एवं व्याख्या

पंचम अध्याय 59 - 65
निष्कर्ष, सुझाव एवं भावी शोध हेतु सुझाव

संदर्भ ग्रंथ सूची

परिशिष्ट

LIBRARY